माननीय विधान सभा अध्यक्ष
श्रीमती ऋतु खण्डूड़ी भूषण

निर्वाचन क्षेत्र–41,कोटद्वार
जनपद – पौड़ी गढ़वाल
भारतीय जनता पार्टी

नाम : श्रीमती ऋतु खण्डूड़ी भूषण

जन्म तिथि : 29 जनवरी, 1965

जन्म स्थान : नैनीताल

पिता : मेजर जनरल (अप्रा) भुवन चंद्र खण्डूड़ी

शिक्षा : स्नातकोत्तर

विधायी यात्राः–

वर्ष 2017 के आम चुनाव में पहली बार यमकेश्वर विधान सभा क्षेत्र से उत्तराखंड विधान सभा की सदस्य निर्वाचित

2022 में पुनः कोटद्वार विधान सभा क्षेत्र से उत्तराखंड विधान सभा की सदस्य निर्वाचित

सदस्य उत्तराखंड विधान सभा सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी समिति की (वर्ष 2017–2022)

सदस्य उत्तराखंड विधान सभा की सतत विकास सम्बन्धी समिति (वर्ष 2021–2022)

अध्यापन कार्यः–

वर्ष 2006 से 2017 तक एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश में इतिहास की प्रोफेसर

प्रकाशित पुस्तकें:–

- भारतीय इतिहास (प्राचीन भारत का इतिहास)
- भारतीय इतिहास (मध्य भारत का इतिहास)
- भारतीय इतिहास (आधुनिक भारत का इतिहास)

विशेष अभि**रुचिः समाज सेवा**, **महिला** एवं **युवा सशक्तिकरण और स्वच्छता**

- आपका जन्म 29 जनवरी 1965 को उत्तराखंड राज्य के नैनीताल जिले में हुआ था।
- आपने 10वीं की पढ़ाई लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल, नई दिल्ली से और 12वीं की पढ़ाई सोफिया इंटर कॉलेज मेरठ, उत्तर प्रदेश से और साथ ही बीए इंग्लिश ऑनर्स, मेरठ विश्वविद्यालय और एमए इतिहास राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से किया।
- आपने नई दिल्ली से पत्रकारिता में डिप्लोमा भी किया है।
- पढ़ाई पूरी करने के बाद आपका विवाह श्री राजेश भूषण जी से हुआ, जो गांव–खाल, बद्रीनाथ, जिला चमोली, उत्तराखंड राज्य के मूल निवासी हैं और बिहार कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के 1987 बैच के (आई.ए.एस) अधिकारी हैं, यह उत्तराखंड के लिए बहुत गर्व की बात है कि श्री राजेश भूषण पूर्व में भारत सरकार में ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव थे और कोरोना महामारी के समय में माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा श्री राजेश भूषण जी को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव के रूप में जिम्मेदारी दी गयी।
- शादी के बाद आप बहुत पिछड़े, अविकसित, संवेदनशील, आदिवासी और नक्सल प्रभावित इलाकों में रहीं, जैसे कि छपरा, गोड्डा, चतरा, भभुआ, सासाराम आदि। ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में रहते हुए भी आप हमेशा समाज के पिछड़े, शोषित, वंचित व विशेष रूप से महिलाओं के बीच में विभिन्न स्वयंसेवी सामाजिक संगठनों के माध्यम से उनके विषयों जैसे कि सामाजिक,आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा और विशेष रूप से महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती रहीं।

- आपके दादा स्वर्गीय श्री जय वल्लभ खंडूड़ी जी और दादी स्वर्गीय श्रीमती दुर्गा देवी खंडूड़ी जी दोनों स्वतंत्रता सेनानी थे जो कि गाँव–राधा वल्लभपुरम, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड राज्य के मूल निवासी थे।
- आपकी दादी के सगे भाई स्वर्गीय श्री हेमवती नंदन बहुगुणा जी थे, जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे।
- आपके पिता मेजर जनरल(अप्रा)श्री भुवन चंद्र खण्डूड़ी हैं, जिन्होंने भारतीय सेना में रहकर देश की सेवा में 27 साल दिए और सीमा पर देश के लिए 3 युद्ध भी लड़े और उनके पराक्रम व वीरता को देखते हुए भारत के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्री नीलम संजीव रेड्डी जी द्वारा अति विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया।
- सेवानिवृत्ति के बाद आपके पिता श्री भुवन चंद्र खण्डूड़ी जी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पूज्य स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के अनुरोध पर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और पौड़ी गढ़वाल से 5 बार सांसद रहे, केंद्र सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग व शहरी विकास मामलों के कैबिनेट मंत्री रहे व वर्ष 2007 से 2012 के बीच 2 बार उत्तराखण्ड प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे।
- आप वर्ष 2000 में बिहार से दिल्ली आई और अपने दादा–दादी के नाम पर ''जय दुर्गा समाज कल्याण संस्थान'' के नाम से एक सामाजिक संस्था की स्थापना की, जिसके माध्यम से वर्ष 2000 से लेकर आज तक प्रतिदिन एम्स और दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में लगभग 50 मरीजों और उनके परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था कर रही हैं इतना ही नहीं कई रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर और समय–समय पर चश्मा, कान की मशीन, बैसाखी, व्हीलचेयर भी जरूरतमंदों को आपके द्वारा वितरित किए जा रहे हैं।
- 2003 से 2005 तक आपने दिल्ली के प्रसिद्ध बनारसी दास चांदीवाला सेवा संपर्क ट्रस्ट में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में काम किया, सन् 2006 में आपने SAK इंडस्ट्रीज लिमिटेड में बतौर बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम किया। उसके बाद 2006 से 2017 तक आपने एमिटी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, नोएडा उत्तर प्रदेश में इतिहास विषय के प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दी। यह सब करते हुए

आपका अपने गांव व पहाड़ और पहाड़ की संस्कृति, खान–पान और वेशभूषा से हमेशा लगाव और जुड़ाव रहा।

- माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2014 में उत्तराखण्ड राज्य में चलाई जा रही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना से प्रभावित होकर आपने उत्तराखंड राज्य में रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग और गोपेश्वर जैसे स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया।
- आपके द्वारा किए जा रहे इन सार्थक प्रयासों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने 2017 के विधानसभा चुनाव में आपको यमकेश्वर विधानसभा सीट से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया और आपने ऐतिहासिक मार्जिन से वह सीट जीती।
- भारतीय जनता पार्टी ने आपको 2017 में ही पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में मनोनीत किया और प्रदेश प्रवक्ता का दायित्व भी संभाला के रूप में भी मनोनीत किया गया है।
- विधानसभा में आपको विधानसभा मनोनीत अध्यक्ष द्वारा सूचना और प्रसारण सम्बन्धित संसदीय समिति का सदस्य मनोनित किया गया और महिलाओं के उत्थान के लिए हमेशा आप विधानसभा में महिलाओं की आवाज बनीं।
- आपकी कार्यशैली व क्षमता को देखते हुए आपको वर्ष 2020 में भाजपा महिला मोर्चा के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया।
- उत्तराखंड राज्य के लिए यह बहुत खुशी की बात है कि फेम इंडिया नाम की विश्व प्रसिद्ध पत्रिका ने जुलाई 2020 में देश के 50 सर्वश्रेष्ठ विधायकों का चयन किया, जिसमें आपको उत्तराखंड राज्य के सुधारवादी विधायक के रूप में चुना गया।